आभार

आभार

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवधविश्वविद्यालय के इतिहास विषय की डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (Ph.D) उपाधि के लिए **"सूत्रकालीन सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति"** शीर्षक शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करने में अनेक स्रोतों से प्रभूत साहाय्य प्राप्त हुआ है। शोधार्थी सर्वप्रथम अपने प्राचीन ऋषियों, आचार्यो, इतिहासवेत्ताओं और मूर्धन्य विद्वान लेखकों को श्रद्धासहित प्रणाम करता है, जिनके तप, श्रम और मेधा से आपूरित ज्ञान-भण्डार से शोधार्थी ने अपने शोध-कार्य के लिए प्रभूत सामग्री ग्रहण की है।

शोध कार्य में परम् पूज्यनीया गुरुवर्णि एवं मार्ग निर्देशिका डॉ. उपमा वर्मा जी का हृदय से आभारी हूँ, जिनकी संरक्षण्ता वस्तुतः मेरी समग्र प्रयत्नशीलता का मूल स्रोत है। जिनकी असीम अनुकम्पा से अनुत्साहित होने पर भी मेरी कार्यक्षमता शिथिल होकर भ्रान्त न हो सकी एवं उन्हीं के अलौकिक ज्ञान की दीपशिखा से मेरा स्वर्णिम पथ प्रशस्त हुआ है। उनके इस सराहनीय प्रयास को मैं वाणी एवं लेखनी द्वारा व्यक्त करने में अपने को असमर्थ पा रहा हूँ।

का. सु. साकेत महाविद्यालय, अयोध्या के डॉ. आर. पी. सिंह, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग एवं मुख्य नियन्ता का मैं हृदय से आभारी हूँ। जिनका आशीर्वाद मेरी शैक्षिक-यात्रा का सम्बल बना रहा।

मैं अपने विद्यालय के प्रबन्धक कुँवर महावीर सिंह जी का सदैव आभारी रहूँगा जिन्होंने सेवा में रहते हुए मुझे शोधकार्य करने की अनुमति प्रदान कर मेरा पथ प्रशस्त किया।

मैं अपने सहयोगियों एवं मित्रों का भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने शोध-कार्य को सुसम्पन्न कराने हेतु मानसिक एवं आर्थिक रूप से मेरा सहयोग किया।

मैं उन सभी लेखकों के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जिनकी पुस्तकों से इस शोध-प्रबन्ध के लिखने में सहायता ली गयी है। उन सभी गुरुजनों, विद्वानों, आत्मीय एवं स्नेही जनों को मेरा हार्दिक आभार, जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से मुझे इस कार्य के लिए प्रेरित किया और अपने विचारों, सत्परामर्शों एवं सद्भावनाओं से इस प्रबन्ध के पूर्ण होने में सहयोग किया।

(ओम प्रकाश सिंह)